यूईएफए सुपर कप : पीएसजी ने एस्टन विला को 2-1 से हराकर खिताब बरकरार रखा

साल्जबर्ग

चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने एस्टन विला को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार यूईएफए सुपर कप का खिताब अपने नाम कर लिया। पीएसजी की जीत में खि्वचा क्वारात्सखेलिया और देसिरे डुए ने गोल किए, जबकि एस्टन विला की ओर से 17 वर्षीय ब्रायन मैडजो ने गोल दागा।

पीएसजी ने 12 महीने पहले टोटेनहम हाटस्पर को हराकर पहली बार सुपर कप जीता था। इस बार भी टीम ने प्रीमियर लीग की एक अन्य टीम को मात देकर यूरोप की शीर्ष क्लब टीम के रूप में अपना दबदबा कायम रखा।

दोनों टीमों ने अपने घरेलू सत्र की शुरुआत से पहले मजबूत प्लेइंग इलेवन उतारी। पीएसजी की शुरुआती टीम में चैंपियंस लीग फाइनल में खेलने वाले नौ खिलाड़ी शामिल थे।

मैच का पहला गोल 20वें मिनट में आया। क्वारात्सखेलिया ने बाएं छोर से अंदर की ओर आते हुए शानदार शाट लगाया, जिसे एस्टन विला के गोलकीपर मार्को बिजोट रोक नहीं सके। पीएसजी ने 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, एस्टन विला ने हार नहीं मानी। 17 वर्षीय मैडजो ने पहले हाफ के अंतिम मिनट में कप्तान जान मैकगिन के शानदार पास का फायदा उठाते हुए गेंद को पीएसजी के गोल में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मुकाबला 1-1 की बराबरी पर आ गया।

दूसरे हाफ में पीएसजी ने आक्रामक शुरुआत की। 61वें मिनट में फ्रांस के देसिरे डुए ने दाएं छोर से आगे बढ़ते हुए शानदार फिनिश के साथ गेंद को विला के गोल में पहुंचा दिया।

हालांकि सहायक रेफरी ने शुरुआत में आफसाइड का संकेत दिया, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) की समीक्षा के बाद गोल को मान्य कर दिया गया। समीक्षा में पाया गया कि एस्टन विला के डिफेंडर मैटी कैश ने डुए को आनसाइड रखा था।

इसके बाद एस्टन विला ने बराबरी की भरपूर कोशिश की। जार्ज हेमिंग्स और जान मैकगिन के पास अच्छे मौके आए, लेकिन पीएसजी के गोलकीपर माटवे सफोनोव ने शानदार बचाव करते हुए अपनी टीम की बढ़त बरकरार रखी।

मैच के अंतिम चरण में एस्टन विला लगातार हमले करता रहा। टैमी अब्राहम के पास भी बराबरी का बेहतरीन मौका आया, लेकिन वह गोल के सामने मिले पास को छूने से मामूली अंतर से चूक गए। पीएसजी ने आखिरी मिनटों में दबाव झेलते हुए 2-1 की बढ़त कायम रखी और लगातार दूसरी बार यूईएफए सुपर कप जीत लिया। अब पीएसजी की नजरें नए सत्र में लगातार तीसरी चैंपियंस लीग ट्राफी जीतने पर होंगी।

न्यूज ब्रीफ

30 की उम्र में इंग्लैंड के आलराउंडर लैंब ने खेल को अलविदा कहा

लंदन। इंग्लैंड के आलराउंडर डैनी लैंब ने केवल 30 साल की उम्र में ही खेल को अलविदा कह दिया है। इस

सत्र की शुरुआत में ही लैंब की गर्दन में दर्द उठा था जिसके बाद जांच में पाया गया कि उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट आई है। पिछले महीने सर्जरी के बाद भी ये पाया गया कि इस गेंदबाज की चोट गंभीर है और उनके लिए खेल जारी रखना ठीम नहीं है। जिसके बाद लैंब ने संन्यास की घोषणा कर दी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार लैंब ने इस कठिन फैसले को लेकर कहा, चोट के कारण करियर का समाप्त होना बहुत दुखद और कठिन फैसला है। डाक्टरों की सलाह के बाद मुझे पता है कि मेरी सेहत के लिए यह सही फैसला है। उन्होंने लंकाशायर और ससेक्स दोनों का ही आभार जताते हुए कहा कि अवसर देने के लिए मैं आभारी हूं। साथ ही कहा कि उन्होंने हमेशा टीम के लिए अपना सब कुछ दिया और जीत में सहायता करने के प्रयास किये। गौरतलब है कि लैंब ने साल 2023 में ससेक्स जाने से पहले लंकाशायर की ओर से सभी प्रारुपों में 93 मैच खेले थे। ससेक्स में उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप के डिवीजन वन में टीम के प्रमोशन और टी20 ब्लास्ट में फाइनल्स डे तक पहुँचने में भी अहम भूमिका निभाई थी। वहीं ससेक्स के मुख्य कोच और क्रिकेट डायरेक्टर पाल फारब्रेस ने लैंब के योगदान की सराहना करते हुए कहा, किसी भी खिलाड़ी के लिए उस खेल से रिटायर होना हमेशा दुखद होता है, और अगर ऐसा चोट की वजह से हो, तो यह और भी मुश्किल होता है।

सभी गोल्फरों को आईजीपीएल में खेलने की अनुमति दी जायेः जीव

नई दिल्ली। देश के शीर्ष गोल्फरों में शामिल जीव मिल्खा सिंह ने कपिल देव के नेतृत्व वाली इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) से अपील की है कि वह सभी गोल्फरों को इस नई लीग में भाग लेने का अवसर दे। जीव के अनुसार सभी खिलाड़ियों को अच्छी कमाई करने और अपने खेल को बेहतर बनाने का अवसर मिलना चाहिये। जीव ने से अपील इसलिए की है क्योंकि भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) ने आईजीपीएल में खेलने वाले गोल्फरों के अपनी प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर रोक लगा दी है जिससे गोल्फरों के सामने संशय बना हुआ है। जीव ने माना है हर टूर के अपने अलग नियम और खिलाड़ियों से की जाने वाली प्रतिबद्धताएं होती हैं पर उन्होंने कहा कि एक बार जब कोई खिलाड़ी अपने प्राथमिक टूर के प्रति अपनी सभी निर्धारित प्रतिबद्धताओं को सफलतापूर्वक पूरा कर लेता है, तो उसे अन्य रास्तों और व्यावसायिक अवसरों की तलाश करने से रोकना सही नहीं है।

शुभमन बन सकते हैं डब्ल्यूटीसी में 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय

गाल। भारतीय क्रिकेट टीम 15 अगस्त से मेजबान श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले

मैच के लिए मैदान में उतरेगी। भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल की नजरें इस सीरीज में जीत हासिल करने पर रहेंगी। इसका कारण ये है कि ये सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा है। शुभमन के पास इस सीरीज में अधिक से अधिक रन बनाकर डब्ल्यूटीसी में सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने का अवसर है। शुभमन ने अब तक डब्ल्यूटीसी में खेले 40 टेस्ट मैचों में 2843 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शानदार शतक और 8 अर्धशतक शामिल हैं। यदि वह श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टेस्ट मैच में 157 रन और बना देते हैं तो वह इसमें 3000 रन का आंकड़ा हासिल करने वाले एक विशेष क्लब का हिस्सा बन जाएंगे। इसके अलावा वह डब्ल्यूटीसी में 3000 रन बनाने वाले पहले भारतीय भी बन जाएंगे। अभी वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। डब्ल्यूटीसी में भारतीय बल्लेबाजों की बात करें तो शुभमन के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और दिग्गज रोहित शर्मा का नाम आता है। ऋषभ ने अपने 40 टेस्ट मैचों की 71 पारियों में 2780 रन बनाए हैं, जबकि रोहित शर्मा ने 40 मैचों में 2,716 रन का योगदान दिया है। इसमें सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकार्ड इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट के नाम है। रुट ने अब तक 77 मैचों में 6651 रन बनाये हैं। शुभमन इसके अलावा वह एक और अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर सकते हैं। वह डब्ल्यूटीसी के एक संस्करण में बतौर भारतीय कप्तान 1,000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन सकते हैं। मौजूदा 2025-27 संस्करण में, गिल ने भारत के कप्तान के तौर पर 8 मैचों में अब तक 950 रन बनाए हैं।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 17 अगस्त से, आईओए ने दुनिया भर के खिलाड़ियों और प्रशंसकों का किया स्वागत

नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए दुनिया भर के बैडमिंटन खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों का स्वागत किया है।

विश्व के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों को एक मंच पर लाने वाली यह चैंपियनशिप खेल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में शामिल है। इसके आयोजन के साथ भारत ने बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए खुद को एक भरोसेमंद और सक्षम देश के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

आईओए ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि चैंपियनशिप की सफल मेजबानी भारत सरकार के निरंतर सहयोग और प्रधानमंत्री नरेनद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश के खेल तंत्र को मजबूत करने तथा भारत को वैश्विक खेल राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है। खेल बुनियादी ढांचे, खिलाड़ियों के विकास, उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में लगातार निवेश के माध्यम से भारत ने विश्व खेल मंच पर अपनी स्थिति मजबूत की है। भारत में इस स्तर के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी से न केवल देश की आयोजन क्षमता का प्रदर्शन होता है, बल्कि युवा पीढ़ी को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरणा मिलती है। साथ ही खिलाड़ियों और अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव हासिल करने का अवसर मिलता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी विरासत तैयार होती है।

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी.टी. उषा ने कहा, बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 भारत की खेल यात्रा में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। हमें विश्व के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों का नई दिल्ली में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। भारत ने लगातार यह साबित किया है कि वह बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की उच्चतम मानकों के साथ मेजबानी करने में सक्षम है और यह चैंपियनशिप ओलंपिक आंदोलन तथा खेल के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। उन्होंने कहा, भारत में आयोजित होने वाला प्रत्येक बड़ा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन एक स्थायी विरासत तैयार करता है। यह हमारे खेल तंत्र को मजबूत करता है, युवाओं को उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करता है और हमारे खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों तथा खेल प्रशासकों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लोगों से सीखने और उनके साथ जुड़ने के अमूल्य अवसर प्रदान करता है। हमें विश्वास है कि भारत आने वाला हर व्यक्ति यहां की गर्मजोशी, आतिथ्य, व्यावसायिकता और खेल के प्रति जुनून का अनुभव करेगा।

बैडमिंटन एसोसिएशन आफ इंडिया (बीएआई) ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ), भारत सरकार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर चैंपियनशिप के सफल आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों, अधिकारियों, मीडिया और दर्शकों के लिए विश्व स्तरीय प्रतियोगिता और बेहतर अनुभव सुनिश्चित करना है।

आईओए ने कहा कि वह भारत सरकार, राष्ट्रीय खेल महासंघों, राज्य ओलंपिक संघों और अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों के साथ मिलकर भारत में और अधिक विश्व स्तरीय खेल आयोजनों को लाने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे आयोजन खिलाड़ियों, तकनीकी अधिकारियों, प्रशासकों, स्वयंसेवकों और खेल प्रतिभाओं की अगली पीढ़ी के लिए नए अवसर पैदा करते हैं।

पी.वी. सिंधु करेंगी भारतीय चुनौती की अगुआई

घरेलू दर्शकों के सामने भारतीय दल से भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पी.वी. सिंधु भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। मेजबान देश को उम्मीद है कि सिंधू सहित भारतीय खिलाड़ी घरेलू परिस्थितियों और दर्शकों के समर्थन का लाभ उठाकर शानदार प्रदर्शन करेंगे।

आईओए ने कहा कि चैंपियनशिप भारतीय खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों, आयोजन प्रबंधकों और स्वयंसेवकों को दुनिया के शीर्ष स्तर की प्रतियोगिता का अमूल्य अनुभव प्रदान करेगी। इससे भारत में भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के आयोजन के लिए आवश्यक विशेषज्ञता और अनुभव को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

चैंपियनशिप भारत की वैश्विक खेल आयोजनों की मेजबानी की क्षमता को भी मजबूती प्रदान करेगी। आईओए ने दोहराया कि वह अपने साझेदारों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि खेल उत्कृष्टता को प्रेरित करने, अंतरराष्ट्रीय मित्रता को बढ़ावा देने और भारत को दुनिया के प्रमुख खेल राष्ट्रों में शामिल करने के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहे।

अब बिना किसी ठोस लक्ष्य के टी20 सीरीज आयोजित करने पर रोक लगेगी : आईसीसी

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी संजोग गुप्ता ने कहा है अब ऐसी सभी द्विपक्षीय सीरीज बंद कर दी जाएंगी जिनका कोई लक्ष्य नहीं है। गुप्ता के अनुसार ऐसी सभी टी20 सीरीज का अब कोई भविष्य नहीं है और वे जल्द ही समाप्त कर दी जाएंगी। उनका ये बयान एक ऐसे समय में आया है जब क्रिकेट जगत खिलाड़ियों की चोटों से परेशान और है और ऐसे में खेल के तीनों प्रारूपों की प्रासंगिकता पर सवाल उठ रहे हैं। गत वर्ष जुलाई में आईसीसी सीईओ बनने के बाद से ही गुप्ता ने कई बदलाव किये हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में तेजी से फैलती विभिन्न टी20 लीगों के बीच ही टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।

इसी को लेकर उन्होंने कहा कि बिना किसी बड़े लक्ष्य या प्रासंगिक कारणों से आयोजित होने वाली द्विपक्षीय टी20 सीरीज खेलने से कोई लाभ नहीं है। इनके कार्यक्रम सदस्य देशों के क्रिकेट बोर्ड स्वयं तय करते हैं। गुप्ता के अनुसार, ऐसी सीरीज का अब कोई मतलब नहीं रह गया है। इससे इन्हें जारी नहीं रखा जा सकता।

गुप्ता का मानना है कि एकदिवसीय क्रिकेट को केवल अपन अस्तित्व बनाए रखने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे मजबूती से आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिये।

उन्होंने कहा कि इस प्रारूप की अपनी एक स्पष्ट भूमिका जरुरी है जो विशेष रूप से आईसीसी क्रिकेट विश्व कप जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों से जुड़ी रहेगी।

टेस्ट और एकदिवसीय प्रारुप को प्रासंगिक बनाना जरुरी

गौरतलब है कि आईसीसी में विश्व कप से पहले एकदिवसीय क्रिकेट के लिए एक अलग और समर्पित विंडो तैयार करने पर भी बात चल रही है जिससे इस प्रारूप को पर्याप्त महत्व मिल सके और खिलाड़ी किसी अन्य सीरीज हो छोड़े बिना आसान से इसमें भाग ले सकें।

टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर भी उन्होंने अपनी चिंताएं जाहिर कीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, केवल भारत, इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया जैसे बड़े क्रिकेट बोर्ड ही टेस्ट क्रिकेट का भार उठा पा रहे हैं।

वहीं अन्य सदस्य देशों के लिए इसे आर्थिक रूप से फायदे का प्रारुप बनाना एक बड़ी चुनौती है, जिससे इस प्रारूप की वैश्विक पहुँच सीमित हो रही है। साथ ही कहा कि टी20 लीगों की बढ़ती लोकप्रियता से निश्चित रूप से एकदिवसीय और टेस्ट क्रिकेट दोनों का आकर्षण कम हुआ है और प्रशंसकों और खिलाड़ियों दोनों का ध्यान छोटे प्रारूपों की ओर गया है।

हाकी विश्व कप 2026 में बदले प्रारुप के कारण बढ़ेगा रोमांच

ब्रूसेल्स। 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड्स की संयुक्त मेजबानी में होने वाले पुरुष और महिला विश्व कप में इस बार प्रारुप में बदलाव किया गया है। इसके तहत अब पारंपरिक क्वार्टर फाइनल मुकाबले नहीं होंगे। यह एक बड़ा बदलाव है जो टीमों को शुरुआती चरण से ही अपनी सर्वश्रेष्ठ फार्म में रहने पर मजबूर करेगा, क्योंकि अब हर मैच के परिणाम का प्रभाव सीधे सेमीफाइनल की राह तय करेगा। इससे हर मुकाबले का महत्व पहले से बढ़ गया है। अब नए प्रारुप के तहत, पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 16-16 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के चार पूल में बांटा गया है। शुरुआती चरण में, हर टीम अपने पूल की बाकी तीन टीमों से खेलेगी। इसके बाद, पूल ए और डी की शीर्ष दो-दो टीमें मिलकर पूल ई बनाएंगी, जबकि पूल बी और सी की शीर्ष दो टीमें पूल एल में जगह बनाएंगी। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि पहले चरण में एक ही मूल पूल से आगे बढ़ने वाली दो टीमों के बीच हुए मुकाबले का परिणाम और अंक दूसरे चरण की अंक तालिका में सीधे आगे ले जाए जाएंगे।

सिंकफील्ड कप : प्रज्ञानानंद को कीमर ने दी मात तीसरे दौर के बाद चौथे स्थान पर खिसकेलो

सेंटलु

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद की सिंकफील्ड कप 2026 में अजेय शुरुआत तीसरे दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर के हाथों हार के साथ समाप्त हो गई। काले मोहरों से खेल रहे 21 वर्षीय प्रज्ञानानंद को रोमानिया के सुपर चेस क्लासिक के चैंपियन कीमर ने शिकस्त दी।

इस हार के बाद प्रज्ञानानंद 1.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। उनके साथ अमेरिका के फैबियानो करूआना, जर्मनी के विंसेंट कीमर और अमेरिका के सैम सेवियन भी संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।

अमेरिका के वेस्ली सो ने हमवतन फैबियानो करूआना को हराकर प्रतियोगिता में एकमात्र बढ़त हासिल कर ली है। सो के खाते में 2.5 अंक हैं।

फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने क्रमशः जावोखिर सिंदारोव और जार्डन वान फोरेस्ट के खिलाफ मुकाबले ड्रा खेले। दोनों खिलाड़ी तीन दौर के बाद दो-दो अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

कैर्नूस कप में दिव्या तीसरे स्थान पर

उधर, कैर्नूस कप में भारत की दिव्या देशमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्विट्जरलैंड की ग्रैंडमास्टर एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को हराकर अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया।

दिव्या की इस जीत के साथ उनके खाते में दो अंक हो गए हैं। वहीं, कोस्टेनियुक को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा और वह अंक तालिका में पिछड़ गई हैं।

चीन की तान झोंगयी और अमेरिका की एलिस ली 2.5-2.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। दिव्या अब संयुक्त शीर्ष स्थान से सिर्फ आधा अंक पीछे हैं।

हम हमेशा सकारात्मक रहते हैं और जानते हैं कि वापसी कैसे करनी है : आयुष बडोनी

नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। टीम के कप्तान आयुष बडोनी ने जीत के बाद टीम के सकारात्मक रवैये और मजबूत वापसी की क्षमता की जमकर तारीफ की।

बडोनी ने मैच के बाद कहा, यह हमारे लिए बहुत अच्छी जीत है। हम पहले दो मैच हार गए थे, लेकिन टीम का माहौल पूरे समय सकारात्मक रहा। हमारी टीम की सबसे अच्छी बात यही है कि हम हमेशा सकारात्मक रहते हैं और जानते हैं कि वापसी कैसे करनी है। आज हमने वही करके दिखाया।

उन्होंने जीत की नींव रखने वाली सलामी साझेदारी की भी सराहना की। बडोनी ने कहा, सलामी जोड़ी ने शानदार मंच तैयार किया। सनत और अनमोल दोनों ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की और उनसे जो उम्मीद थी, उस पर खरे उतरे।

बडोनी ने आते ही बदला मैच का रुख

बडोनी ने अपनी आक्रामक पारी के बारे में कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी और टीम के पास लंबी बल्लेबाजी क्रम को देखते हुए उन्होंने रन गति बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने कहा, जब मैं बल्लेबाजी के लिए आया तो मुझे महसूस हुआ कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। हमारे पास लंबी बल्लेबाजी क्रम है, इसलिए मैंने रन गति बढ़ाने के बारे में सोचा। बडोनी ने अपनी पारी के दौरान लगातार तीन छक्के लगाकर मैच का रुख पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में कर दिया। साउथ दिल्ली के तेज गेंदबाज अंशुमान हुड्डा की तारीफ करते हुए बडोनी ने कहा, अंशुमान हमारे लिए बेहद आक्रामक गेंदबाज रहे हैं। वह महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट लेते हैं और मैं खुश हूं कि वह हमारी टीम का हिस्सा हैं। मेरा मानना है कि उनके पास पर्पल कैप जीतने का शानदार मौका है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

हुड्डा के चार विकेट, ईस्ट दिल्ली ने बनाए 191 रन

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने 20 ओवर में छह विकेट पर 191 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाज वंश मेहरा ने 16 गेंदों पर 27 रन बनाए, जबकि अर्पित राणा के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। हालांकि, मध्यक्रम में लगातार विकेट गिरने से राइडर्स का स्कोर 102 रन पर चार विकेट हो गया। इसके बाद सुजल सिंह ने नाबाद 63 रन की पारी खेलकर टीम को संभाला। उन्होंने 39 गेंदों का सामना किया। सुजल ने सूर्यांश रैना के साथ पांचवें विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी की और टीम को 190 रन के करीब पहुंचाया। साउथ दिल्ली की ओर से अंशुमान हुड्डा ने चार ओवर में 34 रन देकर चार विकेट लिए थे।

सनत-अनमोल ने रखी जीत की मजबूत नींव

192 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार शुरुआत की थी। सनत संगवान और अनमोल शर्मा ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 11 ओवर में 113 रन की साझेदारी की। सनत ने 33 गेंदों पर 57 रन बनाए। सनत के आउट होने के बाद कप्तान बडोनी ने मोर्चा संभाला और आते ही आक्रामक रुख अपनाया। बडोनी और अनमोल ने मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। साउथ दिल्ली ने तीन ओवर से अधिक शेष रहते नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की।